हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 277 देहरादून, शुक्रवार, 28 अप्रैल, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

दिवंगत चन्दन राम दास को सीएम धामी की मौजूदगी में सैकड़ों नम आंखों ने दी अंतिम विदाई 3

बदरीनाथ धाम के खुले कपाट साक्षी बने हजारों श्रद्धालु

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम से हुई पहली पूजा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली 28 अप्रैल , भगवान श्री बद्रीनाथ मंदिर के कपाट आज गुरूवार को सुबह 7:10 बजे शुभ मुहूर्त पर ब्रहम बेला में पूरे वैदिक मंत्रोचारण एवं विधि विधान के साथ श्रद्वालुओं के लिए खुल गए है। इस मौके पर पहली पूजा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम से की गई।

तीर्थयात्रियों पर हेलीकॉप्टर से की गई पुष्प वर्षा, मुख्यमंत्री ने कपाट खुलने पर दी शुभकामनाएं

कपाटोद्घाटन के साक्षी बनने के लिए हजारों संख्या में श्रद्वालु धाम मौजूद थे। गुरूवार को सुबह चार बजे से कपाट खुलने की प्रक्रिया शुरू हुई। कुबेर जी, श्री उद्वव जी एवं गाडू घडा दक्षिण द्वार से मंदिर में परिसर में लाया गया। इसके बाद मंदिर के मुख्य पुजारी रावल समेत धर्माधिकारी, हकहकूधारी एवं श्री बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के पदाधिकारियों द्वारा प्रशासन एवं हजारों श्रद्वालुओं की मौजूदगी में विधि विधान के साथ मंदिर के कपाट खोले गए। मुख्य पुजारी वीसी ईश्वर प्रसाद नंबूदरी ने गर्भगृह में भगवान बद्रीनाथ की विशेष पूजा-अर्चना करते हुए सबके लिए मंगलमय की कामना की। पहली पूजा प्रधानमंत्री मोदी के नाम से की गई। इसके साथ ही ग्रीष्मकाल के लिए बद्रीनाथ के दर्शन शुरू हो गए है। कपाटोद्घाटन के अवसर पर बद्रीनाथ मंदिर को 15 कुंतल फूलों से सजाया गया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कपाट खुलने के शुभ अवसर पर समस्त श्रद्धालुओं को अपनी शुभकामनाएं प्रदान की हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि चारधाम यात्रा के सकुशल संचालन हेतु राज्य सरकार ने तमाम व्यवस्थाएं की हैं। हल्की बर्फबारी व बारिश के बीच सेना की टुकडी ने बैण्ड की मधुर धुन तथा स्थानीय महिलाओं के पारम्परिक संगीत व नृत्य के साथ भगवान बद्रीनाथ की स्तुति ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के दिशा निर्देशों के अनुरूप बद्रीनाथ मंदिर के कपाट खुलने के अवसर पर तीर्थ यात्रियों के स्वागत में हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा से श्रद्वालु गदगद हो उठे। कपाट खुलने के एक दिन पूर्व से ही बद्रीनाथ धाम में श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी थी। पहले दिन ही हजारों श्रद्धालुओं ने बद्रीनाथ में अखण्ड ज्योति एवं भगवान श्री बद्रीनाथ के दर्शन कर पुण्य अर्जित किया। गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ एवं बद्रीनाथ धाम के कपाट खुलने के साथ ही उत्तराखंड में चारधाम यात्रा का आगाज हो गया है।

कपाटोद्घाटन के अवसर पर श्री बद्रीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेन्द्र अजय, जिलाधिकारी हिमांशु खुराना, पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र डोबाल, सीडीओ डा.ललित नारायण मिश्र, एडीएम डा.अभिषेक त्रिपाठी, बीकेटीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी योगेन्द्र सिंह, उपाध्यक्ष किशोर पंवार, धर्माधिकारी राधाकृष्ण थपलियाल, एसडीएम कुमकुम जोशी, ईओ सुनील पुरोहित आदि सहित मंदिर संमिति के अन्य पदाधिकारी, सदस्य, हकहकूकधारी एवं भारी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

बैकुंठ धाम में अन्य तीर्थ एवं पर्यटक स्थलों में भी जुटने लगी श्रद्धालुओं की भीड

बद्रीनाथ मंदिर के कपाट खुलने तकुण्ड, नारद कुण्ड, शेष नेत्र झील, नीलकण्ठ शिखर, उर्वशी मन्दिर, ब्रह्म कपाल, माता मूर्ति मन्दिर तथा देश के प्रथम गांव माणा, भीमपुल, वसुधारा जल प्रपात एवं अन्य ऐतिहासिक व दार्शनिक स्थलों पर भी श्रद्वालुओं एवं पर्यटकों की भीड जुटने लगी है।

कब कितने यात्री पहुंचे बद्रीनाथ

विगत वर्षो में लाखों श्रद्वालु बद्रीनाथ की यात्रा कर चुके है। पिछले आंकडो पर नजर डाले तो वर्ष 2016 में 654355, वर्ष 2017 में 920466 तथा वर्ष 2018 में 1048051, वर्ष 2019 में 1244993 तथा वर्ष 2020 में 155055 श्रद्वालु बद्रीनाथ पहुॅचे। वर्ष 2021 में कोरोना संकट के कारण 197997 श्रद्वालु ही बदीनाथ पहुॅचे। जबकि कोरोना महामारी पर नियंत्रण के बाद विगत वर्ष 2022 में 1763549 श्रद्वालु बद्रीनाथ धाम पहुॅचे। इस बार शुरूआत में ही रिकार्ड पंजीकरण के साथ बडी संख्या में श्रद्वालु बदरीनाथ पहुॅच रहे है।

मुख्यमंत्री से राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने की भेंट

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुख्यमंत्री आवास में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एन.एस.ए.) अजीत डोभाल ने भेंट की। उन्होंने विभिन्न सम-सामयिक विषयों पर मुख्यमंत्री से चर्चा की।

अगले दो दिन बिगड़ा रहेगा मौसम, पांच जिलों में तेज बारिश और बर्फबारी का येलो अलर्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड के 3800 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले इलाकों में दो दिन तेज बारिश और बर्फबारी के लिए मौसम विभाग की ओर से येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग की ओर से जारी पूर्वानुमान के अनुसार उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ के ऊंचाई वाले क्षेत्रों के कुछ स्थानों में हल्की बारिश, गर्जन के साथ बर्फबारी की संभावना है।

मौसम विभाग ने इन जिलों के 3800 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले स्थानों पर 28 और 29 अप्रैल को बर्फबारी की भविष्यवाणी की है। जबकि प्रदेश के अन्य इलाकों में मौसम शुष्क रहेगा।

राजधानी देहरादून के तापमान में आज यानी शुक्रवार को दो डिग्री का इजाफा होगा। हालांकि, शहर के कुछ इलाकों में कहीं-कहीं हल्की बारिश और गर्जन के साथ बादल छाए

रहने की संभावना है। उधर, बृहस्पतिवार दोपहर में हुई हल्की बारिश से लोगों ने गर्मी से राहत की सांस ली। मौसम विभाग की ओर से जारी पूर्वानुमान के अनुसार 28 अप्रैल को दून का अधिकतम तापमान 34 और न्यूनतम तापमान 18 डिग्री रहेगा। जबकि बृहस्पतिवार को दून का तापमान 32 डिग्री रहा।

आप तो नहीं करते जरूरत से ज्यादा नींबू पानी का सेवन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 27 अप्रैल : गर्मियों के मौसम में नींबू पानी का सेवन सेहत के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। यह शरीर को हाइड्रेट रखने के साथ आपको रिफ्रेश रखने में भी मददगार है। नींबू में विटामिन-सी, विटामिन-ई, विटामिन बी-6, फोलेट, थियामिन जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, लेकिन इतने सारे गुण होने के बावजूद भी अगर आप अधिक मात्रा में नींबू पानी का सेवन करते हैं, तो इससे सेहत को नुकसान हो सकता है।आपने अक्सर सुना होगा कि खाली पेट शहद के साथ नींबू पानी पीने से पाचन प्रक्रिया में मदद मिलती है। हालांकि, जरूरत से ज्यादा इस पेय के सेवन से पेट से जुड़ी समस्या हो सकती है। ऐसे में आप पेट दर्द की समस्या से परेशान हो सकते हैं। अधिक मात्रा में नींबू पानी का सेवन दांतों में झनझनाहट पैदा कर सकता है। इससे दांतों में सड़न की समस्या भी हो सकती है। इसलिए अगर आप दांतों की समस्या से परेशान हैं, तो इस स्थिति में साइट्रिक फूड्स का सेवन कम मात्रा में ही करें।क्या आप जानते हैं कि नींबू के रस को सीधे बालों पर अप्लाई करने से आपके बाल रूखे और सफेद हो सकते हैं? इसमें मौजूद अम्लीय गुण बालों को प्रभावित करते हैं। अक्सर लोग डैंड्रफ से छुटकारा पाने के लिए बालों पर नींबू का रस अप्लाई करते हैं। अगर आप नियमित रूप से अधिक मात्रा में नींबू पानी का सेवन करते हैं, तो इससे आपकी स्किन ड्राई हो सकती है। जरूरत से ज्यादा नींबू पानी के सेवन से आपके शरीर में पानी की कमी हो सकती है। अधिक मात्रा में इसे पीने से बार-बार पेशाब आने की समस्या हो सकती है। ऐसे में आप डिहाइड्रेशन की समस्या से परेशान हो सकते हैं।

उत्तराखंड की इन नदियों में नहीं लगेगी रिवर राफ्टिंग संचालन की फीस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 28 अप्रैल : उत्तराखंड आने वाले पर्यटकों के लिए राफ्टिंग एक बड़ा आकर्षण होता है। अब राफ्टिंग के जरिए उत्तराखंड के लोगों को रोजगार के अवसर भी मिलेंगे। इसके लिए उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद ने बड़ा कदम उठाया है। शासन ने प्रदेश में गंगा को छोड़कर अन्य नदियों में राफ्टिंग शुल्क माफ कर दिया है।

पर्यटन विभाग के इस कदम से प्रदेश में रिवर राफ्टिंग और कयाकिंग जैसी एक्टिविटी को बढ़ावा मिलेगा। संबंधित क्षेत्रों में राफ्टिंग व कयाकिंग गतिविधियां संचालित कर रहे ऑपरेटरों को भी राहत मिलेगी। शासन के निर्देश के बाद उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद ने इसके आदेश जारी कर दिए हैं। बता दें कि गंगा में प्रति राफ्ट पर 13764 रुपये शुल्क लिया जाता है। जबकि काली, यमुना, टोंस व अलकनंदा में यह शुल्क 6108 रुपये और अन्य नदियों में 4190 रुपये प्रति राफ्ट निर्धारित है। गंगा नदी में राफ्टिंग व कयाकिंग जैसी गतिविधियां लगातार चल रही हैं, जिससे रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। अब प्रदेश की अन्य नदियों में भी वाटर स्पोर्ट्स संबंधी गतिविधियों को बढ़ावा मिल सके। इसके लिए सरकार ने गंगा को छोड़कर अन्य नदियों में राफ्टिंग व कयाकिंग सेवा के संचालकों का तीन साल का शुल्क माफ करने का फैसला लिया है। सरकार के इस फैसले से काली, सरयू और रामगंगा समेत अन्य नदियों में राफ्टिंग व कयाकिंग संबंधी गतिविधियां तेज होंगी। स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, साथ ही राफ्टिंग व कयाकिंग गतिविधियां संचालित कर रहे ऑपरेटरों को भी राहत मिलेगी।

उत्तराखंड में पालतू कुत्तों पर इस जानलेवा वायरस का खतरा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 28 अप्रैल : इन दिनों बदलता मौसम सिर्फ इंसानों को ही नहीं, बल्कि बेजुबानों को भी बीमार कर रहा है। कुत्तों में पार्वो संक्रमण तेजी से फैल रहा है, ऐसे में पशु मालिकों को सावधान रहने की जरूरत है। हल्द्वानी के पशु चिकित्सकों का कहना है कि जो लोग अपने घरों में कुत्ते पालते हैं, उन्हें सचेत रहने की जरूरत है। पालतू कुत्तों सहित आवारा कुत्तों में पार्वो वायरस तेजी से फैल रहा है। इन दिनों जिस तरह का मौसम बना हुआ है, उससे संक्रमण का प्रसार तेजी से हो रहा है। हल्द्वानी के पशु अस्पताल में हर दिन 40 से 50 पशु प्रेमी अपने पालतू कुत्तों को लेकर ओपीडी में पहुंच रहे हैं। कई केस तो ऐसे भी पाए गए, जिनका इलाज ही संभव नहीं है। पार्वो के बाद कुत्ते कैनाइन डिस्टेंपर और हीट स्ट्रोक की चपेट में आ रहे हैं। पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर के पाठक ने बताया कि इस वायरस से ग्रसित कुत्तों में प्रमुख लक्षण खून की उल्टी या दस्त होना देखे गए हैं। जिन कुत्तों में ऐसे लक्षण मिले उसके मालिक को तत्काल उसका खाना-पानी रोक देना चाहिए। पार्वो बीमारी से बचाव के लिए कुत्तों को सलाइन चढ़ाया जाता है। साथ ही एंटीवायरल और एंटीबायोटिक दवाइयां दी जाती हैं। डॉक्टरों ने कहा कि ये वायरस तेजी से फैलता है और समय पर इलाज नहीं मिले तो कुत्ते की जान भी जा सकती है। इसलिए लक्षण दिखने पर देरी न करें, इलाज के लिए तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

क्लच पेडल पर पैर रखकर गाड़ी चलाने से होते हैं ये नुकसान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 27 अप्रैल : हम अपनी डेली लाइफ में गाड़ी चलाते समय कई ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जिसके चलते गाड़ी के इंजन की लाइफ कम हो जाती है। इस खबर के माध्यम से आपको बताने जा रहे हैं गाड़ी चलाते समय क्लच के सही उपयोग के बारे में, क्योंकि बहुत से लोग गलत तरीके से क्लच पेडल का इस्तेमाल करते हैं, जिसके चलते उन्हें भारी नुकसान का सामना करना पड़ सकता है।

ट्रांसमिशन के अंदर एक लीवर होता है जिसे क्रॉस शाफ्ट के नाम से जाना जाता है। इसका काम क्लच पेडल पर डाले गए दबाव को ट्रांसफर करना होता है। जब क्रॉस शाफ्ट खराब हो जाता है तो इससे पैडल को नीचे धकेलने में परेशानी हो सकती है। इसके कारण आपको क्लच प्रेस करने में दिक्कत आती है।

क्रॉस शाफ्ट अधिकतर समय क्लच पेडल पर पैर रखकर कार चलाने की बुरी आदतों के कारण खराब होते हैं। क्लच प्लेट पर अधिक दबाव बनने के कारण वे जल्दी खराब हो जाते हैं, इससे गाड़ी में ओवरहीटिंग की भी समस्या बनी रहती है। क्लच प्लेट खराब होने के बाद लोग इसके ऊपर हजारों रुपये खर्च कर देते हैं। क्लच पेडल पर पैर रखकर गाड़ी चलाने से इंजन पर दबाव पड़ता है, यही कारण है कि गाड़ी माइलेज कम देती है। इसलिए सलाह दी जाती है कि क्लच का इस्तेमाल केवल जरूरत पड़ने पर ही करें। अगर आप अपनी गाड़ी को ऑफ-रोड पर लेकर जा रहे हैं तो वहां क्लच का सही इस्तेमाल करें। ऑफ-रोडिंग के दौरान कई ऊबड़-खाबड़ सड़कें मिलती हैं, जहां ड्राइवर को थोड़ा सचेत रहकर गाड़ी चलानी होती है।

दिवंगत चन्दन राम दास को सीएम धामी की मौजूदगी में सैकड़ों नम आंखों ने दी अंतिम विदाई

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

बागेश्वर , 28 अप्रैल , गुरुवार को बागेश्वर की सड़कों पर अलग ही उदासी थी। लोग गमगीन थे और शहर खामोश था क्योंकि उनके जनप्रतिनिधि और लोकप्रिय नेता को इस शहर ने खो दिया था। जब उनके आवास से भारी जन समूह के साथ शव यात्रा निकली तो चरों तरफ जब तक सूरज चांद रहेगा, चन्दन तेरा नाम रहेगा व चन्दन अमर रहे जैसे नारों के साथ बाजार होते हुए बागनाथ सरयू घाट पहुंची। जहां पर राजकीय सम्मान व पुलिस टुकडी की मातमी धुन के साथ उन्हें अंतिम विदाई दी गयी। दिवंगत कैबिनेट मंत्री चन्दन राम दास की चिता को उनके दोनों पुत्रों द्वारा मुखाग्नि दी गयी।

इससे पूर्व सूबे के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल, रेखा आर्या, प्रेम चन्द्र अग्रवाल, सौरभ बहुगुणा, प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट, पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी, विधायक सुरेश गडिया, विशन सिंह चुफाल, दिवान सिंह बिष्ट, भोपाल राम टम्टा, प्रमोद नैनवाल, बंशीधर भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष बसंती देव, जिलाधिकारी अनुराधा पाल, पुलिस अधीक्षक हिमांशु वर्मा ने पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शोक संवेदना प्रकट कर स्व0 चन्दन राम दास के आकस्मिक निधन को राजनीति के क्षेत्र में अपूरणीय क्षति बताते हुए कहा कि ईश्वर पुण्य आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दे एवं शोक संतप्त परिजनों को धैर्य प्रदान करने की ईश्वर से कामना की। उन्होंने कहा स्व0 दास सहज व मृदुभाषी थे, उनका हमारे बीच से यो चले जाना दुखद है।

यह समाज, राज्य व पार्टी के लिए भी अपूरणीय क्षति है। उन्होंने हमेशा गरीबों व समाज के अंतिम छोर पर खडे व्यक्ति के लिए काम किया व जन आवाज को विधानसभा में प्रमुखता से उठाते थे। उन्होंने कहा उनके सपनों व संकल्पों को आगे बढाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने शोकाकुल परिवार को उनके घर जाकर ढ़ाढस बधाया।

इस दौरान विधायक सरिता आर्या, राम सिंह कैडा, मेयर जोगेन्द्र रौतेला, पूर्व मंत्री बलवंत सिंह भौर्याल, जिलाध्यक्ष भाजपा इन्द्र सिंह फर्स्वाण, पूर्व विधायक शेर सिंह गडिया, महेश नेगी, ललित फर्स्वाण, पूर्व सासंद प्रदीप टम्टा, नगर पालिका अध्यक्ष सुरेश खेतवाल, अल्मोडा प्रकाश चन्द्र जोशी, नगर पंचायत अध्यक्ष गोविन्द सिंह बिष्ट, प्रदेश महामंत्री राजेन्द्र सिंह बिष्ट, संगठन मंत्री अजेय कुमार, ब्लॉक प्रमुख गोविन्द दानू, पुष्पा देवी, हेमा बिष्ट, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष हरीश ऐठानी, देवकी नंदन जोशी, खंडक टगडिया, कुन्दन रैखोला, अपर जिलाधिकारी चन्द्र सिंह इमलाल, प्रभागीय वनाधिकारी हिमांशु बागरी, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 डीपी जोशी, उपजिलाधिकारी हरगिरि, मोनिका सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी व जनसैलाब मौजूद रहा।

डीएम सोनिका की अध्यक्षता में हुई वन भूमि हस्तांतरण के प्रकरणों के सम्बन्ध में बैठक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। जिलाधिकारी सोनिका की अध्यक्षता में जिलाधिकारी शिविर कार्यालय में वन भूमि हस्तांतरण के प्रकरणों के सम्बन्ध में बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि यूजर एजेंसी के अधिकारी वन विभाग से समन्वय कर वनभूमि हस्तांतरण से सम्बन्धित प्रकरणों को निस्तारित करें। जिलाधिकारी ने योजनाओं की प्रथम एवं द्वितीय चरण की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त करने पर स्पष्ट जानकारी न दे पाने पर गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रकरणों को आपसी समन्वय से शीघ्र निस्तारित करें। उन्होंने कहा कि अगली बैठक में वन भूमि हस्तारंतण के कुल प्रकरणों की प्रथम एवं द्वितीय चरण एवं उनकी निस्तारण की स्थिति तथा किस स्तर पर प्रकरण लम्बित है, की वास्तविक स्थिति की जानकारी के साथ बैठक में प्रतिभाग करें, ताकि प्रकरणों को ससमय निस्तारित किया जा सके। साथ ही निर्देशित किया कि जो योजनाएं 05 वर्ष या उससे अधिक समय से लम्बित दिख रहीं हैं उनकी उपयोगिता तथा वास्तविक स्थिति के सम्बन्ध में स्पष्ट आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त जिन योजनाओं पर कार्य पूर्ण होने के फलस्वरूप भी लम्बित दिख रही हैं को अद्यतन कर लिया जाए।

बैठक प्रभागीय वनाधिकारी देहरादून नितिशमणी त्रिपाठी, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 एस के बरनवाल, प्रभागीय वनाधिकारी चकराता कल्याणी, मसूरी आशुतोश सिंह, लोनिवि, पीएमजीएसआई सहित सम्बन्धित विभगों के अधिकारी उपस्थित थे।

केदारनाथ में बर्फबारी से बढ़ाई यात्रियों की मुश्किल

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम में लगातार बर्फबारी हो रही है, जिससे यात्रियों के सामने दिक्कतें आ रही है। पर्याप्त रेन सेल्टर न होने से यात्रियों को बर्फबारी के बीच परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इधर, पुलिस ने रुद्रप्रयाग सहित अनेक यात्रा पड़ावों पर यात्रियों से आग्रह किया है वे सुरक्षित स्थानों पर ही ठहरें ताकि केदारनाथ में उन्हें बर्फबारी के बीच परेशानियां न उठानी पड़े। इस बार केदारनाथ यात्रा में मौसम सबसे बड़ा बाधा पैदा कर रहा है। लगातार बारिश और बर्फबारी के कारण केदारनाथ में स्थानीय लोगों के साथ ही प्रशासन को व्यवस्थाएं बनाने में मुश्किलें आ रही है। कपाट खुलने से पहले जारी बर्फबारी अब भी लगातार जारी है ऐसे में यहां जरूरी व्यवस्थाएं जुटाने में काफी दिक्कतें आ रही हैं। गुरुवार को भी केदारनाथ धाम में जमकर बर्फबारी हुई। जबकि रुद्रप्रयाग सहित जनपद के सभी प्रमुख नगरों में झमाझम बारिश हुई। केदारनाथ धाम में बर्फबारी अब यात्रियों के लिए मुश्किलें पैदा कर रही है। गौरीकुंड से लिंचौली तक बारिश और फिर केदारनाथ धाम में बर्फबारी दिक्कतें पैदा कर रही है। मार्ग के साथ ही घोड़ा पड़ाव केदारनाथ में पर्याप्त रेन सेल्टर न होने से भी बर्फ के बीच यात्रियों को परेशानियां हो रही है। हालांकि प्रशासन और पुलिस लगातार यात्रियों को मौसम के प्रति सर्तक कर रहा है। साथ ही आग्रह कर रहा है कि यात्रा के लिए अभी पर्याप्त समय है इसलिए मौसम का अपडेट लेकर ही केदारनाथ यात्रा पर आएं। पुलिस अधीक्षक विशाखा अशोक भदाणे ने बताया कि केदारनाथ में लगातार बर्फबारी हो रही है इसलिए यात्री मौसम का अपडेट और जानकारी लेकर ही यात्रा का प्लान करें।

आपदा प्रभावित तीन परिवार परेशान

नई टिहरी। प्रतापनगर तहसील के ग्राम भेलुंता के तहत छेरदानू में कई महीनों से दैवीय आपदा की मार झेल रहे तीन परिवार विस्थापन की मांग कर रहे हैं। लेकिन प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है। लगातार हो रही बारिश से यह परिवार रहने के लिए यहां-वहां भटकने को मजबूर हैं। प्रधान भेलुंता ने इस बाबत डीएम को पत्र लिखकर रोष जताया। विस्थापन न होने पर आंदोलन की बात भी कही। प्रधान ग्राम पंचायत भेलुंता दिनेश जोशी ने डीएम को लिखे पत्र में बताया कि छेरदानू के दैवीय आपदा प्रभावित तीन परिवारों का न तो विस्थापन किया जा रहा है और ना ही उनके भवनों को बचाने के लिए सुरक्षात्मक कार्य किये जा रहे हैं। मामले में डीएम के आश्वासन के महीनों बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। प्रधान दिनेश जोशी ने दैवीय आपदा प्रभावितों को लेकर प्रशासन की शिथिल कार्यवाही पर रोष जताते हुए दैवीय आपदा प्रभावितों के हित ठोस कार्यवाही की मांग की है। प्रभावितों में प्रकाश लाल, मुरारी लाल और सुंदर लाल का कहना है कि यदि जिला प्रशासन उनका पुनर्वास नहीं करता है, तो वह आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

एक देश जहां खाली पड़ी हैं जेल, बनाये जा रहे होटल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

जब किसी देश में क्राइम रेट बढ़ता है तो स्थिती किसी देश के लिए सबसे भयानक होती है। एक देश ऐसा भी है जहां लगातार क्राइम का ग्राफ गिरता ही जा रहा है। जहां खाली हो गई हैं जेलें। जहां न अपराध है और न ही अपराधी।ये देश है नीदरलैंड। यूरोपिय देशों में शामिल नीदलैंड में क्राइम ग्राफ पिछले कुछ सालों में काफी ज्यादा गिर गया है। इस देश में ना के बराबर ही अपराध हो रहे हैं जिसकी वजह से यहां की जेलें पूरी खाली पड़ी हुई हैं। जब देश में अपराधी ही नहीं है तो जेलों में किसे डाला जाए। जेलों में प्रशासन काम कर रहा है। जेलर भी और और जेल को मेंटेन करने वाले दूसरे कर्मचारी भी, लेकिन नहीं है तो बस अपराधी।

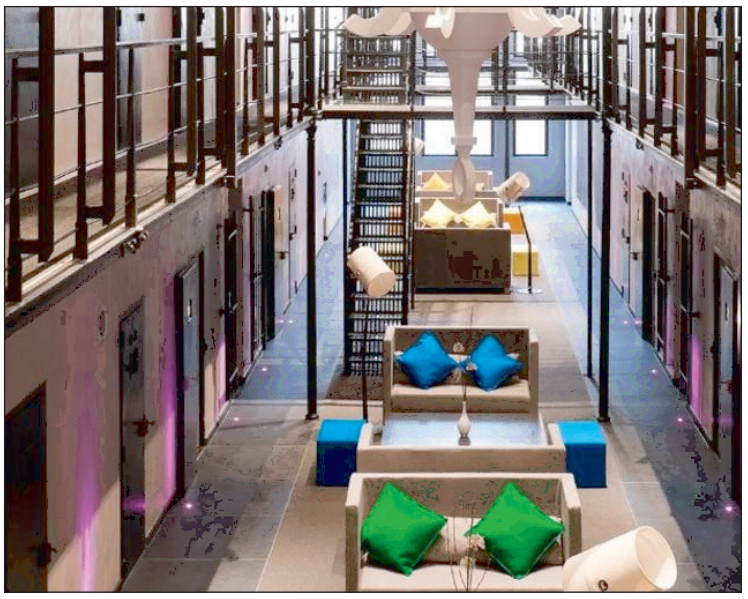

जेलों को रेस्टोरेंट में तब्दील किया जा रहा है

एक तरफ क्राइम रेट कम होना देश के लिए जहां खुशी की बात है वहीं प्रशासन के लिए जेलों को खाली होना चिंता का विषय है। जेलों के रख-रखाव और व्यवस्था पर पूरा खर्च हो रहा है, लेकिन उनका कोई इस्तेमाल नहीं है। इस बात को देखते हुए इस देश में कई जेलों को रेस्टोरेंट में तब्दील कर दिया गया है। जेलों के अंदर ही बड़े-बड़े रेस्टोरेंट खुल चुके हैं और जेल प्रशासन इन्हें चला रहा है।

विदेशों से मंगवाए जा रहे हैं अपराधी

इसके अलावा यहां का प्रशासन जेलों को किराए पर देने की भी प्लानिंग कर रहा है। ये लोग विदेशों से अपराधी मंगवाकर जेलों में भरना चाहते हैं ताकि खाली पड़ी जेलों से कुछ आमदनी हो सके। यूरोप में ही आसपास के कई देशों में क्राइम रेट काफी ज्यादा है। ऐसे में अगर नीदरलैंड की जेलों को किराए पर लिया जाए तो दोनों देशों की समस्याएं हल हो सकती है। यहां की सरकार ने नॉर्वे से कुछ साल पहले एक कॉन्ट्रेक्ट भी किया था और नार्वे से यहां अपराधियों को भेजा भी गया था।

जेलों में कैदियों को मिलती है इंटरनेट की सुविधा

नीदलैंड की जेले काफी हाइटेक हैं। यहां बंद कैदियों के लिए जेलों के अंदर सारी सुविधाओं की व्यवस्था है। यहां तक कि कैदियों को रात में इंटरनेट भी प्रोवाइड किया जाता है ताकि वो अपने बच्चों को सुलाने से पहले कहानियां सुना सकें। नीदरलैंड की गिनती दुनिया के अमीर देशों में होती है। इनकी अर्थव्यवस्था दुनिया में 15वें नंबर पर आती है र यहां की सरकार नागरिकों को बेहतर सुविधा देने के लिए हर संभव काम करती है। इस देश की जनसंख्या भी काफी कम है और यही सब वजह हैं जो यहां के क्राइम ग्राफ को काफी कम करती हैं।

इस देश में होती है काफी कम सजा

अपराध कम होने के अलावा यहां की जेलों के खाली होने की कई और वजह भी है। यहां पर ज्यादातर क्राइम के लिए 1 से 3 महीने तक की सजा का प्रावधान है। यानी सिर्फ मैक्सिमम तीन महीने में ही जेल खाली हो जाती हैं। इसके अलावा यहां अपराधियों को सजा देने के दूसरे तरीके अपनाएं जाते हैं। किसी अपराधी की सजा देने के लिए उसे देश के वेल्फेयर कामों से जोड़ा जाता है। जैसे अपराधियों को सड़के बनाने, सिंचाई करने, सफाई और दूसरे कामों में लगाया जाता है और यही उसकी सजा होती है।

क्या आपने शौचालय के संग्रहालय का किया है दीदार ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 28 अप्रैल , अपने आस पास हम जो कुछ भी देखते हैं उसका एक अतीत होता है। विभिन्न क्षेत्रों की जनजातियों से लेकर उनके खान-पान, रहन-सहन, विश्वास, घर और यहां तक कि शौचालय भी! जी हां, शौचालयों का उपयोग करने के मामले में हमने एक लंबा सफर तय किया है।

आपको विश्वास करना पड़ेगा अगर हम आपसे कहें, वास्तव में नई दिल्ली में शौचालयों को समर्पित एक संग्रहालय (Toilet Museum) है जो विस्मय की भावना पैदा करता है! बिलकुल सही पढ़ा आपने, आप अब तक की सभ्यताओं द्वारा उपयोग किए जाने वाले अद्भुत मूत्रालयों के दौरे के लिए दिल्ली में सुलभ अंतर्राष्ट्रीय शौचालय संग्रहालय (Sulabh International Toilet Museum in Delhi) जा सकते हैं! और यक़ीन मानिए दिल्ली में शौचालयों का संग्रहालय इतना अच्छा है, आपको यहाँ समय बिताने में कोई पछतावा नहीं होगा !

प्राचीन, मध्यकालीन और आधुनिक समय के दौरान उपयोग की जाने वाली शौचालय सीटों को प्रदर्शित करने वाला एक संग्रहालय, नई दिल्ली के महावीर एन्क्लेव क्षेत्र में स्थित है। यह भारत स्थित एनजीओ सुलभ इंटरनेशनल द्वारा संचालित और अनुरक्षित, पूरे देश में स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए संग्रहालय की स्थापना की गई है। यह इतना विशेष है कि स्पष्ट कारणों से, टाइम पत्रिका ने इसे दुनिया के सबसे अजीब संग्रहालयों में से एक के रूप में सूचीबद्ध किया है।अजब बात यह है कि दिल्ली में रहने वाले लोगों को भी इस संग्रहालय के बारे में जानकारी नहीं है।

हमारे जो पाठक इस अनोखे संग्रहालय से अनजान हैं उनको हम बता दें कि, इसे 1992 में स्थापित किया गया था। इसमें 50 देशों की टाएलेट को तीन समूहों में वर्गीकृत किया गया है: प्राचीन, मध्यकालीन और आधुनिक। इस स्मारक में प्रदर्शित वस्तुओं की समय सीमा 3000 ईसा पूर्व से 20वीं शताब्दी तक है। अगर आप कभी यहाँ जाएँ तो आप पाएंगे कि प्रत्येक प्रदर्शित शौचालय में उस के इतिहास पर रोचक जानकारी होती है। यह जानकारी आपको सचमुच विस्मय में डाल देगी और शौचालय जैसे विषय पर आप इतनी रुचि से ध्यान देंगे की आपको खुद आश्चर्य होगा और साथ साथ मज़ा भी आएगा।

निगेटिव फीलिंग्स वाले लोग जीवन से कम संतुष्ट, रिसर्च

देहरादून 27 अप्रैल : हर व्यक्ति के मन में कई बार निगेटिव इमोशन आते हैं, लेकिन लोग उसे बुरा मानकर टालने की कोशिश करते हैं। इतना ही नहीं कई बार वे इससे दुखी भी होने लगते हैं, लेकिन ऐसा नहीं है। कई बार निगेटिव इमोशन आपकी मेंटल हेल्थ के लिए फायदेमंद हो सकते हैं। इसके लिए जरूरी है कि आप इसे चैलेंज की तरह लें। इससे आपका मन भी प्रसन्न रहता है। हाल ही में हुए एक रिसर्च में यह बात सामने आई है।

दरअसल, हम अपने आगामी जीवन और काम को लेकर परेशान हो जाते हैं। अपने साथ के लोगों पर नाराज होने लगते हैं। अक्सर ही हमारे इमोशन हमारे अच्छे-बुरे बर्ताव को प्रभावित करते हैं।

हम अपने इमोशन को कैसे आंकते हैं और उस पर कैसे व्यक्त करते हैं इसका बहुत फर्क हमारे जीवन में पड़ता है। इमोशन नाम के जर्नल में प्रकाशित इस शोध में शोधकर्ताओं ने मानव व्यवहार और उसके भावनाओं के संबंध पर रिसर्च प्रस्तुत की है। इस रिसर्च में साफ हुआ कि ऐसे लोग जो आदत निगेटिव फीलिंग्स, जैसे उदासी, डर या गुस्सा आदि से घिरे रहते हैं, अन्य लोगों की तुलना में ज्यादा घबराहट और अवसाद जैसे अनुभवों का सामना करते हैं।

ऐसे लोग अपने खुशहाल जीवन से भी कम ही संतुष्ट होते हैं।शोध में यह भी सामने आया है कि अक्सर शरीर के बढ़ने के साथ ही लोग अपने निगेटिव इमोशन का सामना करने की बजाय उसे हेल्दी और बेहतर मानने लगते हैं। ये उनके मानसिक स्वास्थ्य पर खराब असर डालता है।कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले में इमोशन का अध्ययन करने वाले सामाजिक मनोवैज्ञानिक आइरिस मौस का कहना है कि हम में से कई लोगों का विश्वास है कि इमोशन होना ही खराब बात है और हमारे मेंटल हेल्थ की स्थिति के जिम्मेदार इमोशन ही हैं। मगर ऐसा नहीं हैं। अधिकतर बार इमोशन हानिकारक नहीं होते हैं। इमोशन के लिए कहा जा सकता है कि ये एक ऐसा निर्णय है जिसमें अंत में दुखी होने की संभावना बनी रहती है। भावनाओं को टालना या दबाना उल्टा भी पड़ सकता है

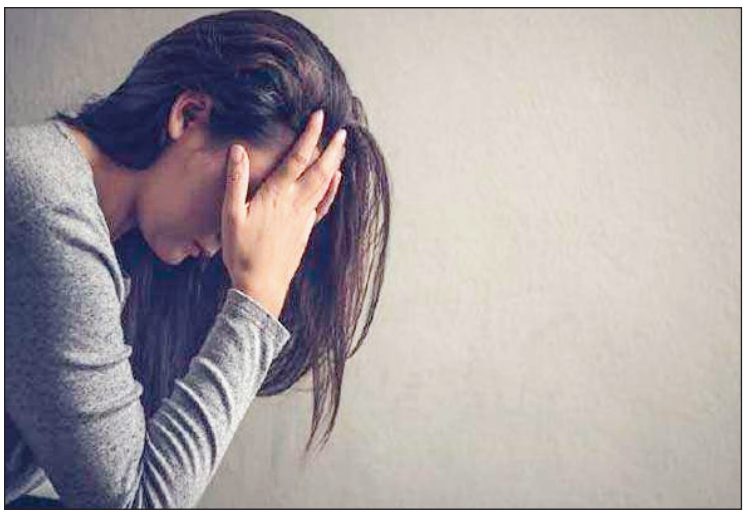

चारधाम यात्रा 2023 के लिए यात्रियों के स्वास्थ्य हेतु दिशा निर्देश जारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 28 अप्रैल , चारधाम यात्रा में समस्त तीर्थ स्थल उच्च हिमालयी क्षेत्र में स्थित हैं, जिनकी ऊंचाई समुद्र तल से 2700 मी० से भी अधिक है। उन स्थानों में यात्रीगण अत्यधिक ठण्ड कम आर्द्रता, अत्यधिक अल्ट्रा वॉइलेट रेडिएशन, कम हवा का दबाव और कम ऑक्सीजन की मात्रा से प्रभावित हो सकते हैं। अतः सभी तीर्थ यात्रियों के सुगम एवं सुरक्षित यात्रा हेतु निम्न दिशा निर्देश (Health Advisory) निर्गत किये जा रहे हैं।यात्रा से पूर्व योजना बनाना, तैयारी करना, पैक करना रोकथाम पर ध्यान देने से आप अपनी यात्रा के दौरान सुरक्षित रह सकते हैं। कृपया अपनी यात्रा से पहले चिकित्सा और ट्रैक की तैयारी सुनिश्चित करें। उच्च ऊंचाई बीमारी का कारण बन सकती है - इसके लिए योजना बनाना, तैयारी करना और पैक करना महत्वपूर्ण है।

योजना बनानाः

▪ अपनी यात्रा की योजना कम से कम 7 दिनों के लिए बनाएं, वातावरण के अनुरूप अनुकूलन के लिए समय देंअनेक ब्रेक की योजना बनाएं ट्रैक के हर एक घंटे बाद या ऑटोमोबाइल चढ़ाई के हर 2 घंटे बाद, 5-10 मिनट का ब्रेक लेंतैयारी करनाः▪ रोजाना 5-10 मिनट के लिए श्वास व्यायाम का अभ्यास रोजाना 20-30 मिनट टहलें यदि यात्री की आयु 55 वर्ष है या वह हृदय रोग, अस्थमा, उच्च रक्तचाप, या मधुमेह से ग्रस्त है, तो यात्रा के लिए फिटनेस सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य जांच करवाएं

गर्म कपड़े ऊनी स्वेटर, धर्मल, पफर जैकेट, दस्ताने, मोजे बारिश से बचाव के यंत्र रेनकोट, छाता , स्वास्थ्य जांच उपकरण पल्स ऑक्सीमीटर, थर्मामीटर पहले से मौजूद स्थितियों (हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, अस्थमा, मधुमेह) वाले यात्रियों के लिए सभी जरूरी दवा परीक्षण उपकरणों और अपने घर के चिकित्सक का संपर्क नंबर ले जाएं. ▪ कृपया अपनी यात्रा से पहले मौसम रिपोर्ट की जांच करें, और सुनिश्चित करें कि आपके पास ठंडे तापमान में प्रबंधन करने के लिए पर्याप्त गर्म कपड़े हैं। अगर आपके डॉक्टर यात्रा न करने की सलाह देते हैं, तो कृपया यात्रा न करें

यात्रा के दौरान स्वस्थ सतर्क सफल यात्रा अपनी सुविधा के लिए यात्रा मार्ग के साथ स्वास्थ्य विभाग द्वारा रखे गए संचार को देखें, और सभी दिशा निर्देशों का सावधानीपूर्वक पालन करें

० यात्रियों की सेवा के लिए नियोजित निकटतम चिकित्सा इकाई के मानचित्र का संदर्भ लें:

चिकित्सा राहत केंद्र प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रसामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जिला अस्पताल

० उत्तराखंड चिकित्सा इकाई की पहचान करने के लिए इमारतों पर स्पष्ट नाम बोर्ड देखें०यदि आप या आपके परिवार के किसी भी सदस्य को नीचे दिए गए लक्षणों में से कोई भी महसूस हो रहा है तो कृपया तुरंत निकटतम चिकित्सा इकाई पर पहुंचें त्वरित जांच आपके जीवन को बचा सकती

▪ सीने में दर्द , सांस की तकलीफ (बात करने में कठिनाई) , लगातार खांसी , चक्कर आना / भटकाव (चलने में कठिनाई) , उल्टी , बर्फीली / ठंडी त्वचा शरीर के एक तरफ कमजोरी / सुत्रता उच्च ऊंचाई गंभीर बीमारियों का कारण बन सकती है। एक मिनट की सावधानी आपका जीवन बचा सकती है। इन यात्रियों का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए:

> 55 वर्ष की आयु वाले यात्री , गर्भवती महिलाएं , हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, अस्थमा, और मधुमेह के इतिहास वाले यात्री अधिक मोटापे से ग्रस्त (> 30 बी. एम. आई) हम आपकी सेवा में उपलब्ध है किसी भी असुविधा के मामले में हमारे स्वास्थ्य स्क्रीनिंग केंद्रों - अथवा चिकित्सा इकाइयों पर संपर्क करें और अपने स्वास्थ्य की जांच करवाएं। 10 इसके अतिरिक्त कोई भी स्वास्थ्य सम्बंधित आपातकालीन घटना होने पर कृपया हमसे 104 हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क करें।

० यात्रा के दौरान शराब, कैफीनयुक्त ड्रिंक्स, नींद की गोलियां और मजबूत / शक्तिशाली दर्द निवारक दवाओं का सेवन न करें, धूम्रपान से भी बचें।० यात्रा के दौरान कम से कम 2 लीटर तरल पदार्थ पीएं और भरपूर पौष्टिक आहार लें।

शिक्षक के घर चोरी, छात्र छात्रा को नेहरू कॉलोनी पुलिस ने किया गिरफ्तार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 28 अप्रैल : वादी वीरेन्द्र कुमार निवासी चक शाह नगर, थाना नेहरू कॉलोनी द्वारा थाना नेहरू कॉलोनी में लिखित तहरीर दी कि दिनांकः 20-04-23 को वह अपने परिवार के साथ एक विवाह समारोह शामिल होने के लिये रुड़की गये थे। 04-05 दिन बाद जब वह अपने घर वापस आये तो उन्होंने देखा कि घर का ताला टूटा हुआ था तथा अज्ञात चोर द्वारा उनके घर की अलमारी में रखी ज्वेलरी व अन्य सामान चोरी कर लिया गया था। उक्त लिखित तहरीर के आधार पर थाना नेहरू कॉलोनी पर मु0अ0सं0: 151/23 धारा 380 भादवि बनाम अज्ञात पंजीकृत कर विवेचना उ0नि0 सतबीर सिंह के सुपुर्द की गयी।

बंद घर में हुई चोरी की घटना के दृष्टिगत पुलिस उपमहानिरीक्षक/ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा घटना के अनावरण तथा उसमें संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये, जिसके अनुपालन में उच्च अधिकारी गणों के निर्देशन व पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष नेहरू कालोनी के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा घटनास्थल के आस-पास की सीसीटीवी फुटेजों का अवलोकन करते हुए कुशल सुरागरसी/पतारसी कर मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया तथा दिनांकः 26-04-23 की रात्रि समय लगभग 22:50 बजे मुखबिर की सूचना पर घटना में संलिप्त 02 अभियुक्तों को चक शाह नगर ग्राउंड से गिरफ्तार किया गया, उनकी निशानदेही पर चक शाह नगर ग्राउंड के पास झाड़ियों के नीचे से घटना में चोरी की गयी ज्वैलरी व अन्य सामान बरामद किया गया। अभियुक्तों को समय मां0 न्यायालय के समक्ष पेश किया है।

पूछताछ में अभियुक्ता सोनिया द्वारा बताया गया कि वो 12 वीं की छात्रा है तथा वादी के घर ट्यूशन पढ़ने जाती है, जहां वादी की पत्नी उसे ट्यूशन पढाती है। कुछ दिन पूर्व वादी की पत्नी द्वारा उसे बताया कि उनकी रिश्तेदारी में शादी होने के कारण वह 04-05 दिन के लिये घर से बाहर जा रहे हैं। अभियुक्ता सोनिया को पता था कि इस दौरान घर पर कोई नहीं रहेगा तो उसने इसकी जानकारी अपने मित्र अमरपाल को लेते हुए अपनी ट्यूशन टीचर के घर में चोरी की योजना बनाई। योजना के मुताबिक दिनांकः 21-04-23 की रात्रि उनके द्वारा ट्यूशन टीचर के घर का दरवाजा तोड़कर अलमारी में रखे सारे जेवर तथा नगदी चोरी कर ली। चोरी की घटना को अंजाम देने के बाद दोनों अभियुक्तों द्वारा घटना में चोरी की गयी ज्वेलरी को चक शाह नगर ग्राउंड के पास झाडियों में छिपा दिया था तथा चोरी की गयी नगदी को लेकर दोनों रात्रि में ही हरिद्वार चले गये तथा रात्रि में हरिद्वार में रूककर सुबह चुपचाप अपने घरों को वापस आ गये। चोरी की गयी नगदी में से बचे हुए 10000/- अभियुक्ता सोनिया द्वारा अपने खाते में जमा करा दिये गये थे। दिनांकः 26-04-23 की रात्रि दोनों अभियुक्त चक शाह नगर ग्राउंड के पास छिपाकर रखी गयी ज्वैलरी को निकालकर बेचने की फिराक में थे, पर उससे पूर्व ही पुलिस द्वारा उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

नाम/पता अभियुक्तगणः-

1- सोनिया पुत्री मनोज पंडित निवासी चकशाह नगर, थाना नेहरू कॉलोनी, देहरादून, उम्र 21 वर्ष2- अमरपाल पुत्र राम प्रसाद निवासी उपरोक्त उम्र 23 वर्ष।

बरामदगीः-1- गले का हार, पीली धातु से निर्मित2- 02 जोड़ी सोने की झुमकी, 3- 03 जोड़ी कान की बालियां4- 09 नाक की लोंग5- 01 नाक की बाली,6- 01 नथ सफेद धातु से निर्मित7- 01 कमर की तगड़ी 8- 01 गुच्छा 9- 09 जोड़ी पायल, 10- 01 खड़वा11- 01 अहोइ माता का पेंडल 12- 11 जोड़ी बिछवे, 13- 02 पेंडल नग 14- दो अंगूठी

केदारनाथ यमुनोत्री धाम में बर्फबारी से बढ़ी ठंड

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

केदारनाथ 28 अप्रैल : उत्तराखंड में मौसम ने करवट बदली और पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी शुरू हो गई। केदारनाथ और यमुनोत्री धाम में बर्फबारी हुई। वहीं, यमुना घाटी समेत निचले इलाकों में तेज आंधी-तूफान के साथ बारिश हुई। बर्फबारी के बाद धामों में ठंड बढ़ गई है। बता दें कि मौसम विभाग ने प्रदेश के पर्वतीय क्षेत्रों में अगले चार दिनों में बारिश और ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी के आसार जताए हैं। मौसम विभाग के अनुसार 30 अप्रैल तक उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ के कुछ स्थानों व शेष जनपदों में भी कहीं-कहीं बहुत हल्की से हल्की बारिश के साथ ही बर्फबारी की संभावना है।

केदारनाथ से लौट रहे थे 2 दोस्त, खाई में गिरी बाइक,1 की मौत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रप्रयाग 28 अप्रैल : रुद्रप्रयाग में बाबा केदारनाथ के दर्शन करने आए दो युवकों के साथ दर्दनाक हादसा हो गया। दोनों युवक बाइक पर सवार होकर केदारनाथ से वापस लौट रहे थे, कि तभी गुप्तकाशी में बाइक का एक्सीडेंट हो गया। जिसके बाद दोनों युवक गहरी खाई में जा गिरे। हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल है। घायल युवक को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा गुप्तकाशी क्षेत्र में हुआ। पुलिस को यहां दो युवकों के खाई में पड़े होने की सूचना मिली। ये भी पता चला कि युवकों के मोबाइल चल रहे हैं।

जिसके आधार पर पुलिस ने लोकेशन का पता लगाया और घटनास्थल तक पहुंच गई। वहां मदन फर्नीचर, सेमी के पास मोड़ पर एक बाइक सड़क पर पड़ी दिखाई दी। जबकि वहीं पर करीब 50 मीटर नीचे खाई में एक व्यक्ति घायल अवस्था में पड़ा था, उसका साथी बेहोशी की हालत में था। दोनों घायलों को लोगों की मदद से खाई से निकालकर सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। वहां एक युवक को मृत घोषित कर दिया गया। मरने वाले युवक का नाम सुरेश है, वो बरेली का रहने वाला था। सुरेश का साथी सुशील भी गंभीर रूप से घायल है। उसे इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया है। पुलिस ने बताया कि युवकों के घर पर सूचना दे दी गई है। इनके साथ दो अन्य लोग भी बाइक से केदारनाथ आए हुए थे। सभी केदारनाथ से दर्शन करके वापस रुद्रप्रयाग लौट रहे थे, इसी दौरान बाइक का एक्सीडेंट हो गया।

ज्ञान वायरस : छींक जरूर मारें मगर तहज़ीब के साथ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

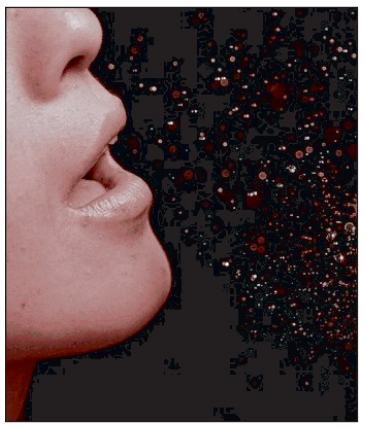

ब्यूरो रिपोर्ट , 28 अप्रैल , बड़े बुजुर्गों ने कहा है कि किसी काम से पहले अगर छींक आजाए तो समझो बंटाधार हो गया। वहीं बुजुर्गों की कूटनीति या कहें डिप्लोमेसी देखिए। अगर आप आती हुई छींक को रोक लें तो कहेंगे, आती हुई छींक को कभी नहीं रोकते। भला छेंक ना हुई हुई आती आती हुई लक्ष्मी हो गयी जिसे ना रोका जाए। दरसल यह हमारी दूसरी प्रकृति है कि हम छींकों को रोकना ज़रूर चाहते हैं। और कोरोना वायरस (COVID-19) के आने के बाद से, उन्हें रोकने की ललक और भी तेज हो गई है।

हम छींक को दबाने की कोशिश करते हैं ताकि हम कीटाणु ना फैलाएं या अपने आसपास के लोगों को बाधित ना करें। लेकिन छींक को अंदर रखने से आपको जितना पता होगा उससे ज्यादा नुकसान हो सकता है।एलर्जी और नैदानिक इम्यूनोलॉजी विशेषज्ञ, डेवोन प्रेस्टन, एमडी कहते हैं "जबकि छींकना संक्रमण के प्रसार में एक प्रमुख भूमिका निभाता है, यह साइनस से जलन, एलर्जी और अन्य विदेशी मलबे को हटाने के लिए भी आवश्यक है। अगर हमें छींक नहीं आती है, तो हमारे शरीर संभावित हानिकारक पदार्थों को हमारे साइनस या फेफड़ों में जाने दे सकते हैं।"छींक जैसे नाज़ुक विषय को मज़ाक में हर्गिज़ ना लें। छींक को सस्ती लोकल चीज़ ना माने जनाब। यह अनेकों अंतर्राष्ट्रीय रिसर्च का विषय है। इसके पीछे अविश्वसनीय बल होता है। क्या आप जानते है कि मामूली सी लगने वाली छींक की गति लगभग 120-150 किलोमीटर प्रति घंटे होती है। तो जान लीजिए शताब्दी एक्सप्रेस ट्रेन से भी तेज़ गति से चलने वाली छींक तो अगली बार आदर सत्कार से पुकारें। छींक को रोकने से सभी प्रकार के हानिकारक परिणाम हो सकते हैं जैसे कि ईयरड्रम (कान का पर्दा) फटना और गला (ग्रसनी) टूटना इत्यादि।तो क्या खूब छींके जमकर छींकें ?COVID-19 के प्रसार को रोकने के लिए हर कोई सचेत प्रयास कर रहा है, आप उन जोरदार छींकों को बाहर निकालने से डर सकते हैं। लेकिन अपने शरीर को अपना काम करने से न रोकें। बस यह सुनिश्चित करें कि आप उन छींक बमों के दौरान अपना मुंह और नाक ढक लें। इसके अलावा, छींक के सत्र समाप्त होने के बाद अपने हाथों को अच्छी तरह से धोना और आस-पास की सतहों को पोंछना सुनिश्चित करें।

झांसों से बचें वरना बर्बाद हो जाएंगे आप, पढ़ें कैसे होती है ठगी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 28 अप्रैल , सायबर ठगों ने अब ठगी के नए नए तरीके इजाद कर लिए हैं। वे लोगों को वाट्सअप मैसेज करके ऐसे झांसे देते हैं कि कई लोग इनके बहकावे में आकर लाखों रुपए गंवा बैठते हैं। जयपुर की एक महिला इनके झांसे में आ गई और 43 लाख रुपए गंवा बैठी। परिचितों के कहने पर पीड़ित महिला ने एसओजी में जाकर रिपोर्ट दर्ज कराई। एसओजी की टीम ने ठगी करने वाले 4 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। हैरानी की बात यह है कि ये बदमाश जिन अकाउंट का इस्तेमाल करते थे। उन बैंक अकाउंट में 22 करोड़ रुपए का ट्रांजेक्शन मिला है। एसओजी इस गिरोह के अन्य बदमाशों की तलाश में जुटी है।मनोविज्ञान में डॉक्ट्रेट एक महिला डॉ. ने 4 अप्रैल को सायबर सेल में मुकदमा दर्ज कराया था। पीड़िता ने बताया कि मार्च में एक व्यक्ति ने खुद को अपूर्वा ग्लोबल एडवरटाइजिंग कै सैल्स मैनेजर बताते हुए घर बैठे रुपए कमाने का तरीका बताया। उसने कहा कि घर बैठे उनकी कंपनी के वीडियो को लाइक करने पर प्रति लाइक 50 रुपए दिए जाएंगे। ऐसे दिन में 50-60 वीडियो लाइक करके प्रति दिन 3000 रुपए आसानी से कमाए जा सकते हैं। ऐसा करने के लिए किसी भी तरह का पेमेंट करने की जरूरत नहीं बताई थी।

शुरू में रुपए ट्रांसफर किए, बाद में लूटा

शुरुआती दिनों में जब कंपनी की ओर से बताए गए वीडियोज लाइक करने पर बदमाशों की तरफ से डॉ. सिंह रुपए ट्रांसफर किए गए। कुछ दिनों तक डॉ. सिंह के अकाउंट में 5 से 7 हजार रुपए ट्रांसफर किए गए। इससे डॉ. को विश्वास हो गया कि वीडियो लाइक करने पर कंपनी की ओर से रुपए दिए जा रहे हैं। इसी दरमियान डॉ. के पास कॉल आया कि आपने गलत वीडियोज को लाइक कर दिए हैं। ऐसे में आपको 2 लाख रुपए जमा कराने होंगे जो कि कुछ ही दिनों में रिफंड कर दिए जाएंगे। उन्होंने दो लाख रुपए ट्रांसफर करके अन्य वीडियोज को तेजी से लाइक करना शुरू कर दिया ताकि ज्यादा रुपए कमाए जा सकें। दो दिन बाद फिर से एक कॉल आया और कहा कि दो लाख रुपए और जमा कराएं वरना पूर्व में जमा कराए गए दो लाख रुपए फ्रीज हो जाएंगे। बदमाशों के झांसे में आकर डॉ. ने फिर से 2 लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए।

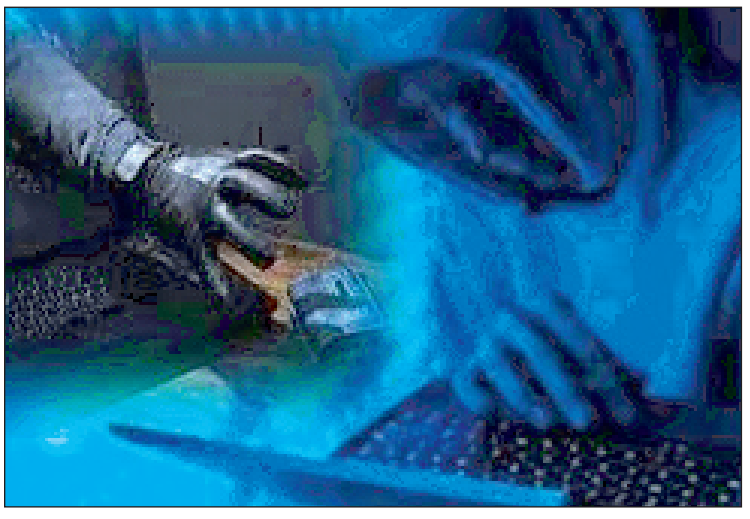

चार बदमाश गिरफ्तार, 9 बैंक खातों में 22 करोड़ का ट्रांजेक्शन

एसओजी ने बैंक अकाउंट और मोबाइल नम्बर के आधार पर तकनीकी जांच करते हुए ठगी करने वाली गैंग का पता लगा लिया। ये ठग भीलवाड़ा और चित्तौड़गढ़ में बैठकर ठगी की वारदातों को अंजाम देते थे। पहले मुम्बई में फर्जी कंपनी का रजिस्ट्रेशन कराते और बाद में यहां आकर उस कंपनी के मार्फत ठगी करते थे। एसओजी ने युवराज मीणा, लेहरू लाल तेली, किशनलाल प्रजापत और गोवर्धन लाल रैगर को गिरफ्तार किया है। जांच में पता चला कि ये बदमाश 9 बैंक अकाउंट का उपयोग करते थे। पिछले 15 दिन में इन 9 बैंक अकाउंट में 22 करोड़ रुपए का ट्रांजेक्शन मिला है।

भगवान बद्री विशाल के कपाट खुलने की शुभकामनायें : सतपाल महाराज

चारधाम यात्रियों के पंजीकरण का आंकडा पहुंचा 20 लाख के पार

जीएमवीएन गेस्ट हॉउसों की बुकिंग भी पहुंची 11 करोड़ के पास

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 28 अप्रैल , भगवान बद्री विशाल के कपाट खुलने पर राज्य के पर्यटन एवं धर्मस्व मंत्री सतपाल महाराज ने प्रदेशवासियों और चारधाम यात्रा पर आये श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होने उत्तराखंड आने वाले श्रद्धालु से अनुरोध किया है कि वह चारधाम के साथ-साथ सरकार द्वारा बनाये गये अन्य पौराणिक एवं धार्मिक सर्किटों का भी दर्शन कर पुण्य के भागी बने। प्रदेश के पर्यटन एवं धर्मस्व मंत्री सतपाल महाराज ने प्रदेशवासियों और चारधाम यात्रा पर आये श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देते हुए यात्रियों से अनुरोध किया है कि वह यात्रा नियमों का पालन करने के साथ साथ विस्तृत सुविधाओं का लाभ लेने के लिए अपना पंजीकरण अवश्य करवायें।

पर्यटन एवं धर्मस्व मंत्री महाराज ने कहा कि चारधाम यात्रा पर आने वाले यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए स्पष्ट है कि इस बार की चार धाम यात्रा पिछले सभी रिकॉर्ड ध्वस्त कर देगी। उन्होने कहा कि 18 फरवरी 2023 से प्रारम्भ हुये चारधाम एवं हेमकुण्ड यात्रियों के पंजीकरण के तहत अभी तक 2005840 (बीस लाख पांच हजार आठ सौ चालीस) यात्री अपना पंजीकरण करवा चुके हैं। विभिन्न धामों में यात्रियों के पंजीकरण की यदि हम बात करें तो अभी तक केदारनाथ हेतु 705892 (सात लाख पांच हजार आठ सौ बयानवे), बद्रीनाथ हेतु 597093 (पांच लाख सत्तानवे हजार तिरानवे), गंगोत्री हेतु 3,65,107 (तीन लाख पैंसठ हजार एक सौ सात), यमुनोत्री हेतु 3,20,930 (तीन लाख बीस हजार नौ सौ तीस) एवं हेमकुण्ड हेतु 16,618 (सोलह हजार छह सौ अट्ठारह) यात्री अपना पंजीकरण करवा चुके हैं। बद्री विशाल के कपाट खुलने के साथ ही अभी तक चारधाम में 40 हजार से भी अधिक यात्री दर्शनों का लाभ उठा चुके हैं।

महाराज ने बताया कि 16 फरवरी 2023 से शुरू हुई जीएमवीएन गेस्ट हॉउसों की बुकिंग के तहत अभी तक कुल 10,91,11,996 (दस करोड़ करोड़ इक्यानवे लाख ग्यारह हजार नौ सौ छियानवे) रुपये से अधिक की बुकिंग भी की जा चुकी है। उन्होने कहा कि यात्री चारधाम यात्रा के लिए पर्यटन विभाग की ऑनलाइन वेबसाइट registrationandtourist-care.uk.gov.in, व्हाट्सएप नंबर 8394833833 या फिर टोल फ्री नंबर 1364 के जरिये अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं।

संपादकीय

समय की मांग है जातिगत जनगणना

आगामी लोकसभा चुनाव से पहले सभी क्षेत्रीय विपक्षी दलों ने जातिगत जनगणना को राष्ट्रीय मुद्दा बना दिया है. कुछ दिन पहले तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने अपनी पार्टी डीएमके द्वारा आयोजित 'ऑल इंडिया फेडरेशन फॉर सोशल जस्टिस' के प्रथम सम्मेलन में फिर विपक्षी एकता की पुरजोर वकालत की तथा कहा कि सामाजिक न्याय प्राप्त करने के लिए संघर्ष करना किसी एक राज्य का मुद्दा नहीं है, सभी राज्यों से जुड़ा मुद्दा है और भारतीय समाज की संरचना से जुड़ा है. उन्होंने कहा, 'जहां कहीं भी भेदभाव, बहिष्कार, छुआछूत, गुलामी और अन्याय है, इन जहरों को दूर करने की एकमात्र दवा सामाजिक न्याय है.' इस सम्मेलन में अशोक गहलोत, हेमंत सोरेन, तेजस्वी यादव, सीताराम येचुरी, अखिलेश यादव और फारूक अब्दुल्ला आदि विपक्षी नेताओं ने हिस्सा लिया और जाति आधारित जनगणना की भी वकालत की. जातिगत जनगणना को तब और बल मिल गया, जब कर्नाटक की एक चुनावी रैली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संबोधित करते हुए कहा, 'आप ओबीसी की बात करते हैं, 2011 के जातिगत सर्वेक्षण के आंकड़े सार्वजनिक किये जाएं, ताकि अन्य पिछड़ा वर्ग को उचित प्रतिनिधित्व मिल सके तथा अनुसूचित जाति एवं जनजाति समुदायों को उनकी आबादी के अनुपात में आरक्षण दिया जा सके. यदि आप ऐसा नहीं करते हैं, तो यह ओबीसी का अपमान है.' कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री मोदी को लिखे पत्र में कहा, '2021 में नियमित दस वर्षीय जनगणना होनी थी, लेकिन यह नहीं हो सकी. हम मांग करते हैं कि इसे तत्काल किया जाए और व्यापक जाति जनगणना को इसका अभिन्न अंग बनाया जाए.' कांग्रेस को ओबीसी पहचान की लड़ाई तब लड़नी पड़ रही है, जब कुछ दिन पहले एक आपराधिक मानहानि मामले में दो साल की सजा मिलने के बाद राहुल गांधी की लोकसभा की सदस्यता रद्द कर दी गयी और भाजपा ने कांग्रेस और राहुल गांधी को ओबीसी विरोधी कहकर प्रचारित किया.

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002 **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com **Website :** www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

खिलाडियों के गंभीर आरोपों की निष्पक्ष जॉच होनी चाहिए : ज्योति रौतेला

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

दिल्ली / देहरादून , 28 अप्रैल , उत्तराखण्ड प्रदेश कांग्रेस महिला की अध्यक्षा ज्योति रौतेला ने नई दिल्ली जन्तर-मन्तर पहुॅचकर भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष के खिलाफ विगत दो दिनों से धरने में बैठे कुश्ती के खिलाडियों को अपना समर्थन देकर जॉच की मांग की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारतीय कुश्ती में देश का नाम रोशन करने वाले खिलाडियों के साथ इस तरह का वर्ताव बर्दाश्त नही किया जायेगा। उन्होंने उनका समर्थन करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार निष्पक्ष जॉच से क्यों डर रही है? उन्होंने कहा कि महिला पहलवान निवेश फोगाट ने भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण पर गंभीर आरोप लगाये हैं गंभीर आरोपों की निष्पक्ष जॉच होनी चाहिए जिससे दूध का दूध और पानी का पानी को सके। उन्होंने कहा आंखिर केन्द्र सरकार जॉच से क्यों कतरा रही है? उन्होंने देश के युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि देश का नाम रोहन करने वाले इन खिलाडियों का समर्थन करने हेतु युवाओं को आगे आना चाहिए। रौतेला ने केन्द्र सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि केन्द्र की सरकार केवल और केवल विपक्ष के नेताओं को पेरशान कर रही है।

रामपुर से सीतापुर तक चलाया गया स्वच्छता अभियान

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम के दर्शनों पर आने वाले तीर्थयात्रियों को स्वच्छ वातावरण मिले इसके लिए जिलाधिकारी के निर्देशों पर केदारनाथ यात्रा मार्ग में स्वच्छता रैली निकाली गई। जिसमें स्थानीय लोगों के साथ ही व्यापारी, होटल व्यवसायी एवं समाजिक कार्यकर्ताओं ने भागीदारी की। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशों पर जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं नोडल अधिकारी स्वच्छता अखिलेश मिश्रा ने बताया कि केदारनाथ यात्रा को स्वच्छ और सुगम बनाने की मुहिम को लेकर गुरुवार को रामपुर से सीतापुर पार्किंग तक स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस मौके पर रामपुर पंचवटी होटल से सीतापुर पार्किंग तक जागरूकता रैली के माध्यम से संदेश दिया गया कि यात्रा मार्ग पर कूडा कचरा न गिराएं। यहां गिरे पड़े कूड़े कचरे को एकत्रित किया जाए। उन्होंने कहा कि इस अभियान में जिला पंचायत के कार्मिक नेहरू युवा केन्द्र के स्वयं सेवक, महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं विद्यालय के छात्रों तथा महिला संगठनों के लोगों ने भाग लिया। साथ ही सफाई अभियान भी चलाया जिसमें मार्ग से करीब 25 बोरा कूड़ा एकत्रित किया गया। रैली में शामिल लोगों ने सार्वजनिक शौचालयों के साफ-सफाई की व्यवस्था भी देखी साथ ही बच्चों ने यात्रियों से यात्रा में पॉलीथिन का प्रयोग न करने तथा कूड़ा कूड़ेदानों में ही डालने की अपील भी की गई। सीतापुर पार्किंग में कार्यक्रम के समापन पर सभी ने स्वच्छता की शपथ ली। वहीं दूसरी ओर गौरीकुंड से केदारनाथ धाम तक 350 सफाई कर्मी साफ सफाई की व्यवस्था में जुटे हैं। वे विपरीत मौसम में भी लगातार कार्य पर जुटे हैं। इस मोके पर ग्राम प्रधान प्रमोद सिंह, प्रकाश रावत, विद्यालय के प्रधानाचार्य जगजीत सिंह रमोला, नेहरू युवा केंद्र के जिला युवा अधिकारी राहुल डबराल, जिला परियोजना अधिकारी नमामि गंगे अभिलाषा पंवार, आनंद बंसल, अभियंता जिला पंचायत सुनील कुमार गुप्ता, राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक राजेंद्र कुमार, विजय वशिष्ठ, मयंक रावत आदि मौजूद थे।

1 मई को दिल्ली कूच करेंगे शिक्षक-कर्मचारी

रुद्रप्रयाग। पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा के राष्ट्रीय नेतृत्व के आह्वान पर शिक्षक-कर्मचारी दिल्ली संसद कूद करेंगे। इस कार्यक्रम के लिए सभी ने तैयारियां कर ली है। जनपद रुद्रप्रयाग में अगस्त्यमुनि ब्लॉक के तिलवाड़ा आदि स्थानों पर बैनर लगाने का कार्यक्रम शुरू किया गया ताकि अधिक से अधिक लोग इस आंदोलन में शामिल हो सके।

आस्था और उल्लास के साथ मनाया गंगा जन्मोत्सव दिवस

गंगा के अवतरण दिवस पर विशेष आरती और दुग्धाभिषेक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेश। तीर्थनगरी ऋषिकेश में गंगा जन्मोत्सव दिवस आस्था और उल्लास के साथ मनाया गया। त्रिवेणी घाट पर श्रद्धालुओं ने गंगा का दुग्धाभिषेक किया। विशेष गंगा आरती में शामिल हुए। हर-हर गंगे, जय मां गंगे के उद्घोष से समूचा तट गुंजायमान रहा। गुरुवार को गंगा सप्तमी पर तीर्थनगरी ऋषिकेश की हृदयस्थली त्रिवेणीघाट में श्री गंगा सभा की ओर से आयोजित धार्मिक अनुष्ठान के तहत हवन पूजन किया गया। इसमें विश्वशांति के लिए श्रद्धालुओं ने हवन कुंड में आहूति डाली। घंटे घडियालों की ध्वनि के बीच विशेष भव्य गंगा आरती हुई। गंगा आरती में विभिन्न प्रांतों से आए श्रद्धालुओं के साथ स्थानीय लोग धार्मिक अनुष्ठान में शामिल हुए।

श्रद्धालुओं ने गंगा में स्नान भी किया। गंगा सभा के कार्यकारी अध्यक्ष राहुल शर्मा ने कहा कि गंगा पालनहार है, ऐसे में उनका जन्मदिन पूरा देश कई रूपों में मना रहा है। बताया कि शाम को त्रिवेणी घाट पर सांस्कृतिक कार्यक्रम में गंगा जन्मोत्सव से जुड़े प्रसंग प्रस्तुत किए जाएंगे। मौके पर पंडित जगमोहन मिश्र, पंडित वेदप्रकाश शास्त्री, जतन स्वरूप भटनागर, धीरेन्द्र जोशी आदि मौजूद रहे। वहीं, गंगा सप्तमी पर मुनिकीरेती, स्वर्गाश्रम, लक्ष्मणझूला क्षेत्र के घाटों पर श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगायी। दूसरी ओर गंगा सप्तमी पर परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने गंगा का अभिषेक और पूजन किया। इस मौके पर स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने नदियों के संरक्षण का संकल्प कराया।

चकराता में ओलावृष्टि से तापमान गिरा, फसलों को नुकसान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

विकासनगर। चकराता क्षेत्र में इस वर्ष अप्रैल माह में भी जनवरी सी सर्दी का अहसास हो रहा है। गुरुवार दोपहर बाद एक बार फिर मौसम ने करवट बदली। क्षेत्र के कई हिस्सों में बारिश और भारी ओलावृष्टि हुई। गुरुवार सुबह से क्षेत्र में हल्की धूप खिली थी। दोपहर 12 बजे से आसमान में घने काले बादल छाने लगे और देखते ही देखते क्षेत्र में हल्की बारिश होने लगी, लेकिन कुछ देर बाद बादलों की गडग़ड़ाहट के साथ कई जगह ओलावृष्टि हुई। काफी देर तक पड़े मोटे ओलों की परत सडक़, खेतों, छतों सहित चारों ओर जम गई। जिससे चकराता और आसपस के इलाकों में सर्दी भी बढ़ गई। चकराता और आसपास के गांव लोहारी, लोखंडी, मुंगाड, जाड़ी, सिजला, कोटी, कनासर, मोहना, सुजऊ, रावना, पाटी आदि में भी भारी ओलावृष्टि होने से तापमान गिरकर 16 डिग्री और न्यूनतम तापमान नौ डिग्री पर आ गया। बाजार में खरीदारी करने लोग गर्म कपड़े पहने हुए नजर आए।

इन फसलों को हुआ नुकसान

भारी ओलावृष्टि से मटर, बींस, टमाटर, आड़ू, पुलम, आलू बुखारा, नाशपाती, चुल्लू समेत दलहन की फसलों को भारी नुकसान हुआ है। इसके साथ ही सेब के फूल भी झड़ गए हैं, जिससे सेब की फसल के उत्पादन पर भी असर पडने की आशंका पैदा हो गई है। काश्तकार मोहन सिंह, प्रताप सिंह, महेंद्र सिंह आदि ने बताया कि बारिश और ओलावृष्टि से फलों और अन्य नगदी फसलों को भारी नुकसान हुआ है।

अप्रैल माह में चार बार हो चुकी है ओलावृष्टि

अप्रैल माह में ही चार बार ओलावृष्टि होने के साथ ही करीब दस दिन बारिश भी हो चुकी है। बेमौसमी बारिश और ओलावृष्टि से किसानों के साथ ही बागवानों की परेशानी में इजाफा कर दिया है। स्थानीय काश्तकारों ने बताया कि सर्दी के मौसम में बारिश और बर्फबारी कम होने से फसलों के उत्पादन पर प्रभाव पड़ा, जबकि अब ओलावृष्टि फसल को बर्बाद कर रही है।

पटवारी/लेखपाल लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता व शारीरिक मानक परीक्षा आयोजित हुई

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार। अपर जिलाधिकारी(वित्त एवं राजस्व)वीर सिंह बुदियाल की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन रोशनाबाद में बृहस्पतिवार को उत्तराखंड लोक सेवा आयोग द्वारा राजस्व उप निरीक्षक(पटवारी/लेखपाल) लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता व शारीरिक मानक परीक्षा आयोजित की गयी।

, जनपद नैनीताल व चम्पावत के अभ्यर्थियों की आज की शारीरिक दक्षता व शारीरिक मानक परीक्षा में कुल 102 महिला अभ्यर्थियों में से 97 ने प्रतिभाग किया, जिनमें से 96 महिला अभ्यर्थी इस परीक्षा में उत्तीर्ण हुई। साथ ही इस परीक्षा में कुल 152 पुरुष अभ्यर्थियों में से 142 पुरुष अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया, जिनमें से 140 पुरुष अभ्यर्थी इस परीक्षा में उत्तीर्ण हुए। एक अभ्यर्थी कमल भट्ट का दौड़ में स्वास्थ्य अचानक खराब हो गया,उसे तत्काल प्राथमिक उपचार के बाद स्वास्थ्य केन्द्र भर्ती कराया गया।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि शारीरिक दक्षता व शारीरिक मानक परीक्षा आयोजित करने के क्रम में अभी तक जनपद देहरादून, बागेश्वर व पौड़ी गढ़वाल के अभ्यर्थियों की परीक्षा विगत दिनों सम्पन्न ही चुकी है। इस क्रम में यह परीक्षा 5 मई तक आयोजित होनी है, जिसमें अलग-अलग तिथियों में अलग अलग जनपदों के अभ्यर्थी प्रतिभाग करेंगे।

इस अवसर पर समिति सदस्य पुलिस उपाधीक्षक हरिद्वार जूही मनराल, जिला विकास अधिकारीवेद प्रकाश, जिला क्रीडा अधिकारीप्रदीप कुमार, सहायक भूलेख अधिकारीहरिहर उनियाल,सांख्यिकीय अधिकारीमदन बिष्ट सहित सम्बन्धित कार्मिक उपस्थित थे।

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग अध्यक्ष नई दिल्ली की अध्यक्षता में हुई डाम कोटी में बैठक

विभिन्न क्षेत्रों में पिछड़े वर्ग के प्रतिनिधित्व के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार। हंसराज गंगाराम अहीर मा0 अध्यक्ष राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग नई दिल्ली की अध्यक्षता में बृहस्पतिवार को डाम कोठी में एक बैठक आयोजित हुई।

बैठक में हंसराज गंगाराम अहीर ने अधिकारियों से विभिन्न क्षेत्रों में पिछड़े वर्ग के प्रतिनिधित्व के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने बीएचईएल के अधिकारियों से विचार-विमर्श के दौरान पूछा कि बीएचईएल हरिद्वार यूनिट में कुल कितने कार्मिक हैं, उनमें से कुल कितने पिछड़े वर्ग के हैं, आरक्षण के रोस्टर का पालन हो रहा है कि नहीं, कार्मिकों के ए,बी,सी तथा डी ग्रुप में पिछड़े वर्ग के कार्मिकों की कितनी संख्या है, कार्मिकों को प्रशिक्षण दिलाये जाने का क्या प्राविधान है। इस पर अधिकारियों ने बताया कि कार्मिकों की कुल संख्या में से 973 कार्मिक बीएचईएल में पिछड़े वर्ग के हैं तथा आरक्षण के रोस्टर का प्रारम्भ से ही पालन किया जाता है तथा समय-समय पर आवश्यकतानुसार सभी को प्रशिक्षण भी दिया जाता है। अधिकारियों ने सीएसआर मद में जन कल्याण के क्षेत्र में बीएचईएल द्वारा किये जा रहे कार्यों के सम्बन्ध में भी जानकारी साझा की।

बैठक में मा0 अध्यक्ष राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित की जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी ली तो अधिकारियों ने बताया कि परिवार में पति-पत्नी दोनों को पात्रता के अनुसार वृद्धावस्था पेंशन अनुमन्य की जाती है। अभी हाल ही में वृद्धावस्था, दिव्यांग, विधवा पेंशन की धनराशि में बढ़ोत्तरी की गयी है, समय-समय पर बहुद्देशीय शिविरों का आयोजन किया जाता है, जिसमें स्थल पर ही पात्र व्यक्तियों को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। श्री हंसराज गंगाराम अहीर मा0 अध्यक्ष राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग से बीएचईएल वेल्फेयर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने भी शिष्टाचार भेंट की। जिलाधिकारी विनय शंकर पाण्डेय एवं मुख्य विकास अधिकारी प्रतीक जैन ने मा0 अध्यक्ष राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के डामकोठी पहुंचने पर पुष्पगुच्छ भेंटकर भव्य स्वागत व अभिनन्दन किया गया। इस अवसर पर एसडीएम पूरण सिंह राणा, एस0पी0 सिटी स्वतंत्र कुमार सिंह, ईडी बीएचईएल पी0वी0 झा, जीएम पी0के0 श्रीवास्तव, प्रोवेशन अधिकारी अविनाश भदौरिया, ललित कुमार, शिया शरण यादव, विमलेश कुमार, घनश्याम यादव सहित सम्बन्धित पदाधिकारी एवं अधिकारीगण उपस्थित थे।

संक्षप्ति खबरें

अवैध प्लाटिंग की शिकायत पर कार्रवाई का निर्देश

देहरादून। अवैध प्लाटिंग की शिकायत पर डीआईजी देहरादून ने कार्रवाई का निर्देश दिया है। उन्होंने पुलिस को एमडीडीए टीम से समन्वय कर मामले की जांच करते हुए जरूरी होने पर केस दर्ज करने का निर्देश दिया है। रोहित कुमार निवासी सुमननगर, धर्मपुर ने मामले की शिकायत की। उन्होंने कहा कि धर्मपुर क्षेत्र में कुछ लोग अवैध तरीके से प्लाटिंग कर रहे हैं। कहा कि इसके लिए फर्जी मानचित्र बनाया गया है। जिसे वहां खरीदने के लिए आ रहे लोगों को दिखाया जा रहा है। आरोप है कि प्लाटिंग वाली जमीन का काफी हिस्सा विवादित है। ऐसे में खरीदारों को बाद में नुकसान हो सकता है। शिकायत डीआईजी देहरादून दलीप सिंह कुंवर के पास पहुंची। उन्होंने इसमें आरोपियों पर कार्रवाई का निर्देश दिया है। ताकि, इसमें रकम लगाने वाले लोग आगे परेशान हों। रोहित कुमार ने रेरा, एमडीडीए और डीएम कार्यालय में भी इस बाबत शिकायत दी है।

जनवादी संगठनों ने भाजपा सांसद बृजभूषण सिंह का पुलता फूंका, प्रदर्शन

देहरादून। जनवादी संगठन एसएफआई, सीआईटीयू, एआईकेएस, एआईडीडब्ल्यू ने भाजपा सांसद एवं भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण सिंह के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में कहा कि सांसद पर महिला पहलवानों के साथ यौन उत्पीडन का आरोप लगा है। उन्होंने सांसद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। गुरुवार को जनवादी संगठनों से जुड़े लोग इंदिरा मार्केट में एकत्र हुए। यहां सांसद का पुलता फूंका कर प्रदर्शन किया। सीटू के जिला सचिव लेखराज ने कहा कि हम साहसिक पहलवानों का पूरा समर्थन करते हैं, जो एक शक्तिशाली और प्रभावशाली नेता के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने सांसद से तत्काल इस्तीफे की मांग की है। एसएफआई उत्तराखंड राज्य सचिव हिमांशु चौहान ने कहा कि यदि सरकार इस मामले में ठोस कार्रवाई नहीं करती है तो जनवादी संगठन बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। इस मौके पर राज्य सचिव दमयंती नेगी, एसएफआई के प्रदेश अध्यक्ष नितिन मलेठा, डीएवी छात्रसंघ उपाध्यक्ष सोनाली नेगी, उपाध्यक्ष शैलेंद्र परमार, सीटू के उपाध्यक्ष भगवंत सिंह पयाल, राम सिंह भंडारी, रविंद्र नौडियल, विनोद कुमार, बचन सिंह, नरेंद्र सिंह, मंगरु, अभिषेक भंडारी, त्रिलोचन भट्ट, अंजलि पुरोहित, अनीता, मधु, मामचंद, देवानंद पटेल आदि मौजूद रहे।

पेंशन लाभार्थियों की समस्या दूर करने की मांग

देहरादून। नगर निगम के नए क्षेत्रों में बने वार्डों में वृद्धावस्था, विकलांग, विधवा पेंशन के लाभार्थियों के लिए राज्य सरकार द्वारा की गई ऑनलाइन फॉर्म भरने की व्यवस्था में नए वार्डों के क्षेत्रों के नाम दर्ज नहीं हैं। इस कारण नए क्षेत्रों में पेंशन धारकों के फार्म ऑनलाइन जमा नहीं हो पा रहे हैं। चंद्रबनी पार्षद सुखबीर बुटोला ने बताया कि ऑफलाइन फार्म जमा करने पर प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा रिपोर्ट लगाने में आनकानी की जा रही है। उन्होंने बताया कि फार्म को ऑनलाइन ही जमा किया जा सकता है। इस वजह से चंद्रबनी वार्ड में ही करीब 60 लोगों की पेंशन फार्म जमा नहीं हो पा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस संबंध में शीघ्र ही क्षेत्रीय विधायक के माध्यम से जिलाधिकारी को भी बताया जाएगा। उन्होंने समाज कल्याण विभाग द्वारा ऑफलाइन फॉर्म जमा करने की सुविधा देने की मांग की।

क्लेमनटाउन में पेयजल संकट, ईई को सौंपा ज्ञापन

देहरादून। क्लेमनटाउन में पानी की समस्या को लेकर स्थनीय निवासियों संग पार्षद राजेश परमार ने जल संस्थान के ईई कैलाश पैन्यूली को ज्ञापन सौंपा। राजेश परमार ने बताया कि क्लेमनटाउन में जगह जगह पानी की टूटी पाइप लाइन व लीकेज के चलते इलाके में पेयजल संकट गहरा गया है। ईई से इस सन्दर्भ में समस्या का समाधान करने का अनुरोध किया गया। सुभाष नगर चौक में पुलिया निर्माण, गैस पाइप लाइन की खुदाई व रास्ता बंद होने से आंतरिक सडक़ों पर चल रहे भारी वाहनों के कारण दर्जनों जगह पर पानी की पाइप लाइन टूट रखी है। जिस कारण पानी की बहुत बर्बादी हो रही है व क्षेत्र की जनता को भी सुचारु रूप से पीने का पानी नहीं मिल रहा है।

अस्पताल में ऑन लाइन अपाइंटमेंट के झांसे मे गंवाए 88 हजार

देहरादून। मैक्स अस्पताल के डाक्टर का ऑनलाइन अपाइंटमेंट लेने के झांसे में महिला साइबर ठगी का शिकार हो गई। धोखाधड़ी को लेकर सरिता सिंह निवासी ग्रीन विलेज, शिव गंगा एंक्लेव, डांडा लखौंड की शिकायत पर रायपुर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। थानाध्यक्ष कुंदन राम ने बताया कि सरिता सिंह ने 12 अप्रैल को मैक्स अस्पताल के डाक्टर योगेश यादव का ऑनलाइन अपाइंटमेंट लेने के लिए गूगल पर सर्च किया। वहां मिले नंबर पर कॉल की। बात हुई तो 13 अप्रैल को 11:30 बजे का अपाइंटमेंट देने को कहा गया। डाक्टर की फीस ऑनलाइन जमा करने के लिए उनके फोन ऑनलाइन एक्सेस एप डाउनलोड कराई। एक्सेस लेकर 101 रुपये का पेमेंट कराया। इसके कुछ घंटे बाद उनके बैंक खाते से 88 हजार रुपये कट गए। मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अब तक नहीं मिला अशासकीय कालेजों का वेतन, रोष

देहरादून। राज्य के 19 अशासकीय महाविद्यालय के शिक्षकों व कर्मचारियों के वेतन भुगतान के लिए इस वित्तीय वर्ष का बजट जारी नहीं हुआ है। इस कारण अब तक शिक्षक-कर्मचारियों का मार्च का वेतन नहीं मिल पाया है। इससे उनमें रोष है। फेडरेशन ऑफ उत्तराखंड विश्वविद्यालय महाविद्यालय शिक्षक संघ (फुक्टा) की ओर से आंदोलन की चेतावनी देते हुए गुरुवार को शिक्षा मंत्री डा. धनसिंह रावत को पत्र भेजा गया है। इसमें जल्द बजट जारी करने की मांग की गई है। संघ के सचिव डा. यूएस राणा ने बताया कि हर साल की तरह इस बार भी अप्रैल में वित्तीय वर्ष 2023-24 के वेतन भुगतान लिए शासन स्तर से बजट का आवंटन होना है, लेकिन अप्रैल बीतने को है और अब तक बजट नहीं मिला है। इस कारण वेतन भत्ते अटक गए हैं। अब तक मार्च का वेतन नहीं मिल पाने से शिक्षक और कर्मचारियों को आर्थिक दिक्कतें हो रही हैं। इससे उनमें रोष है। अगर जल्द बजट जारी नहीं किया गया तो शिक्षक कर्मचारी अपने वेतन के लिए आंदोलन को मजबूर होंगे।

शुक्लापुर और लक्ष्मीपुर में पेयजल संकट से जूझ रहे उपभोक्ता

देहरादून। शुक्लापुर, लक्ष्मीपुर, ठाकुरपुर में नए ट्यूबवेल के बनने से भी लोगों की पेयजल समस्या का हल नहीं हो पा रहा है। ट्यूबवेल में बिजली का कनेक्शन व लाइन बिछने के बाद भी इन ट्यूबवेल को चालू नहीं किया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने पेयजल निगम के खिलाफ प्रदर्शन की चेतावनी दी है। क्षेत्र पंचायत सदस्य मंजू नेगी ने बताया कि पेयजल निगम ने मेंहुवाला पेयजल कलस्टर योजना के तहत तीन जगह पर नए ट्यूबवेल बनाए हैं। लेकिन अभी इनसे पेयजल सप्लाई चालू नहीं की गई है।